सिद्दी समुदाय

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्म **(रिदम ऑफ दम्मम)** में भारत में हाशिये पर स्थित **सिद्दी समुदाय** पर प्रकाश डाला गया है।

- **उत्पत्ति:** ये **17वीं शताब्दी के** अंत में **पुर्तगालियों** द्वारा **ट्रांस-हिंद महासागर दास व्यापार** के दौरान लाए गए **अफ्रीकी दासों के वंशज** हैं।
  - ये **नीग्रोइड के शारीरिक लक्षणों से समानता** दर्शाते हैं।
  - **इन्हें हब्शी (Habshi) और बादशा (Badsha)** जैसे विभिन्न नामों से भी जाना जाता है।
- **वर्तमान स्थान**: ये मुख्य रूप से भारत के **पश्चिमी तट (विशेष रूप से गुजरात, महाराष्ट्र** और **कर्नाटक** राज्यों) के आस-पास रहते हैं।
- **अनुसूचित जनजाति का दर्जा:** भारत में केंद्र सरकार ने **वर्ष 2003 में सिद्दी को अनुसूचित जनजातियों** की सूची में वर्गीकृत किया**।**
  - ये केंद्र की **विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों** की सूची में भी शामिल हैं।
- **परिवार प्रणाली: इस** समुदाय द्वारा सामान्यतः **एकल परिवार प्रणाली** को अपनाया जाता है।
- **सांस्कृतिक अभिव्यक्ति:** सिद्दी को अपने **लोक संगीत एवं नृत्यों के लिये जाना जाता है** जैसे **धमाल** और **रसदा**, जिसमें **पुरुष धमाल नृत्य** करते हैं।

और पढ़ें: भारत में जनजातियों के अधिकार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/siddi-community